Under CSR Support by ipca | Foundation missiongyan

अध्याय - 4 | हरिद्वार (भारतेंदु हरिश्चंद्र)

QUIZ PART-05

1. **"सज्जन ऐसे कि पत्थर मारने से फल देते हैं" का क्या अर्थ है?**
   A. सज्जन लोग पत्थर मारते हैं।
   B. लेखक फलदार वृक्षों की उदारता को मानवीय रूप में व्यक्त कर रहे हैं।
   C. दुकानदार फल मुफ्त बाँटते थे।
   D. लेखक को पत्थर मारना पसंद था। (B)
   व्याख्या : इस कथन में फलदार वृक्षों की उदारता को सज्जनता के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

2. **"वैराग्य और भक्ति का उदय होता था" इस कथन से कौन-सा भाव प्रकट होता है?**
   A. मानसिक शांति और आध्यात्मिक अनुभव
   B. शारीरिक थकान
   C. सामाजिक संघर्ष
   D. आर्थिक चिंता (A)
   व्याख्या : इस कथन से लेखक के मन में उत्पन्न आध्यात्मिक शांति का भाव व्यक्त होता है।

3. **"पत्थर पर का भोजन का सुख सोने की थाल से बढ़कर था" का उपयुक्त निष्कर्ष क्या है?**
   A. पत्थर पर भोजन स्वादिष्ट होता है।
   B. संतोष में सच्चा सुख होता है।
   C. सोने की थाली व्यर्थ है।
   D. लेखक गरीब थे। (B)
   व्याख्या : लेखक सादगी और संतोष को वास्तविक सुख का स्रोत मानते हैं।

4. **गंगा तट पर पत्थर पर भोजन करने का प्रसंग किस मूल्य को दर्शाता है?**
   A. विलासिता
   B. सादगी और आत्मनिर्भरता
   C. दिखावा
   D. अंधविश्वास (B)
   व्याख्या : यह प्रसंग सादगीपूर्ण जीवन और आत्मनिर्भरता के मूल्य को उजागर करता है।

5. **लेखक का हरिद्वार अनुभव मुख्यतः किस प्रकार का था?**
   A. राजनीतिक B. आध्यात्मिक
   C. व्यावसायिक D. मनोरंजनात्मक (B)
   व्याख्या : पूरे वर्णन में आध्यात्मिक अनुभूति और भक्ति का भाव प्रमुख है।

6. **पत्र की भाषा का मुख्य लक्षण क्या है?**
   A. जटिलता
   B. कठिन शब्दावली
   C. सरलता और चित्रात्मकता
   D. अत्यधिक संक्षिप्तता (C)
   व्याख्या : पत्र की भाषा सरल, स्पष्ट और चित्रात्मक शैली में लिखी गई है।

7. **"सज्जन" शब्द का प्रयोग यहाँ किसके लिए किया गया है?**
   A. दुकानदारों के लिए
   B. यात्रियों के लिए
   C. फलदार वृक्षों के लिए
   D. पंडों के लिए (C)
   व्याख्या : लेखक ने फलदार वृक्षों को 'सज्जन' कहकर उनकी उदारता व्यक्त की है।

8. **लेखक के अनुसार पत्थर पर भोजन करने से उनके मन में क्या उत्पन्न होता था?**
   A. क्रोध
   B. लोभ
   C. ज्चैराग्य और भक्ति
   D. चिंता (C)
   व्याख्या : गंगा तट पर भोजन करते समय लेखक के मन में वैराग्य और भक्ति का उदय होता था।

9. **लेखक ने हरिद्वार के अनुभव को किस रूप में प्रस्तुत किया है?**
   A. ऐतिहासिक विवरण के रूप में
   B. व्यापारिक रिपोर्ट के रूप में
   C. पत्र के रूप में
   D. कहानी के रूप में (C)
   व्याख्या : यह विवरण पत्र शैली में प्रस्तुत किया गया है।

10. **लेखक के अनुभव से कौन-सा प्रमुख संदेश मिलता है?**
    A. धन ही सुख का स्रोत है।
    B. प्रकृति से दूर रहना चाहिए।
    C. सादगी, संतोष और आध्यात्मिकता में सच्चा सुख है।
    D. यात्रा केवल मनोरंजन के लिए होती है। (C)
    व्याख्या : लेखक के अनुभव से स्पष्ट है कि सादगी, संतोष और आध्यात्मिक भावना में ही वास्तविक सुख निहित है।

मिशन ज्ञान जब चाहें जहाँ चाहें जैसे चाहें! 100% FREE! Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES Download Mission Gyan App